[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1296 **L**

Unique Paper Code : 2133102006

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, DSE – NEP (UGCF)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** Questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×15= 45

Answer any **Three** of the following questions:

(क) वर्तमान समय में श्रीमद्भगवद्गीता की महत्ता पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the importance of Śrīmad Bhagavad Gītā in the present times.

(ख) संतुलित जीवन जीने के लिए गीता में वर्णित कर्म योग की महत्ता का प्रतिपादन कीजिए।

Explain the importance of Karma yoga described in the Gītā for leading a balanced life.

(ग) "विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्" बृहदारण्यकोपनिषद् के इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

Explain this line 'vijñānenedaṁ sarvaṁ viditam' of Bṛhadāraṇyakopaniṣad.

(घ) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए अष्टांग योग की व्याख्या कीजिए।

Describe Aṣṭāṅga Yoga by explaining the term 'Yoga'.

(ङ) चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का सविस्तर वर्णन कीजिए।

Describe in detail the measures for control of cittavṛtti.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पद्यांशों का अनुवाद कीजिए: 5×5 = 25

Translate any **Five** of the following stanzas:

(क) यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।।

अथवा/ Or

मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।
आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत ।।

(ख) ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते।
श्रद्दधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः।।

अथवा/ Or

अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते।
तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम् ।।

(ग) न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।
कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ।।

अथवा/ Or

कर्म ब्रह्मोद्भवं विद्धि ब्रह्माक्षरसमुद्भवम्।
तस्मात्सर्वगतं ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम्।।

(घ) शनैः शनैरुपरमेद् बुद्ध्या धृतिगृहीतया।
आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किञ्चिदपि चिन्तयेत्।।

अथवा/ Or

यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।।

(ङ) य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च गुणैः सह।
सर्वथा वर्तमानोऽपि न स भूयोऽभिजायते।।

अथवा/ Or

अनादित्वान्निर्गुणत्वात् परमात्मायमव्ययः।
शरीरस्थोऽपि कौन्तेय न करोति न लिप्यते।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×7.5 = 15
Explain any **Two** of the following:

(क) मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित्तप्रसादनम् ।।

(ख) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः।

(ग) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकार संज्ञा वैराग्यम्।

(घ) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी लिखिए। 5
Write a short note on any **one** of the following in **Sanskrit**:

(क) चित्तनिरोध। (cittanirodha)

(ख) समाधि। (samādhi)

(ग) ध्यानयोग । (dhyānayoga)